संस्कृत साधना भाग-3

प्रथमः पाठः

वन्दना (Prayer)

हिंदी अनुवाद

पितेव .... नमामि तम्।

अनुवाद—जो पिता की तरह सारे संसार की (सब लोगों की) सदा भलाई करता है और माता की तरह पालन-पोषण करता है, (मैं) उस परमेश्वर को नमस्कार करता हूँ।

दूरी करोति .... तम्।।

अनुवाद—जो दु:खों को दूर करता है और सुखों को प्रदान करता है, उस सदा आनंदस्वरूप परमपिता परमेश्वर को नमस्कार करता हूँ।

मोहं .... तम्।

अनुवाद—जो अपने उपदेशों के द्वारा हमेशा बच्चों के मोह (विशेष लगाव) को हरता है, मिटाता है, नित्य ज्ञान देता है, उस पूज्य गुरु को नमस्कार करता हूँ।

यो .... तम्।।

अनुवाद—जो सब लोगों को हमेशा पापों से, बुरे कार्यों से दूर रखता है और धार्मिक कार्यों में लगाता है, उस पूज्य गुरु को नमस्कार करता हूँ।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) सर्वलोकानां सदा हितं परमेश: करोति।
(ख) परमेश: दु:खानि दूरी करोति।
(ग) गुरु: सर्वमानवान् पापेभ्य: वारयति धर्मे च प्रयोजयति।
(घ) गुरु: ज्ञानं ददाति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) परमेशं **नमामि** तम्।
(ख) गुरुं पूज्यं **नमामि** तम्।
(ग) यो **वारयति** पोपेभ्य:।
(घ) दु:खानि **सुखानि** प्रददाति च।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) परमेश: सर्वलोकानां सदा हितं करोति।
(ख) अहं परमेशं नमामि।
(ग) परमेश्वर: सर्वदानन्दरूप: अस्ति।
(घ) गुरु: मानवाय ज्ञानं ददाति।

द्वितीयः पाठः

कारकः (Case)

नोट—(कारक संबंधी नियमादि छात्र स्वयं पढ़ें।)

1. निम्नलिखित कारकों के चिह्न लिखिए–

उत्तर– (क)	कर्म	**को**
(ख)	सम्बन्ध	**का, की, के**
(ग)	करण	**से, के साथ, द्वारा**
(घ)	अधिकरण	**में, पर**

2. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर– (क) राम: भोजनं खादति।
(ख) मोहन: विद्यालयं गच्छति।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर– (क) भारतदेश गुलाम था।
(ख) यह हमारे गौरव का दिन है।

तृतीयः पाठः

कर्त्ता कारकः (Nominative Case)

अत्र बालकः .... कुर्वन्ति।

अनुवाद—यहाँ बालक क्या करता है? वहाँ बालक पढ़ता है, लिखता है और ज्ञान अर्जित करता है। विनोद संस्कृत पढ़ता है। तुम सब पुस्तक पढ़ते हो। वे दोनों बालक क्या करते हैं? बालक हँसते हैं और खेलते हैं। वे बालक व्यायाम और कुश्ती करते हैं।

कृषकः .... निवसन्ति।

अनुवाद—किसान पानी लाता है। किसान वर्षा के जल से क्या करते हैं? किसान वर्ष के जल से खेत को सींचते हैं। बंदर फल खाता है। दो बंदर पेड़ के ऊपर कूदते हैं। बंदर यहाँ रहते हैं।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) बालक: पठति, लिखति ज्ञानं च अर्जयति।
(ख) ते बालका: व्यायामं मल्लयुद्धं च कुर्वन्ति।

(ग) कृषक: जलम् आनयति।
(घ) वानर: फलं खादति।

2. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) विनोद: पुस्तकं पठति।
(ख) कृषक: वृष्टि-जलेन क्षेत्रं सिञ्चति।

चतुर्थः पाठः

हिन्दी अनुवाद

मोहनः .... निर्मापयति।

अनुवाद—मोहन ईश्वर को भजता है (भजन करता है)। रमा प्रार्थना करती है। बालक श्रुतलेख लिखता है। दो बालक फल खाते हैं। दो आदमी ईश्वर को भजते हैं। दो सैनिक चित्र देखते हैं। माली फूलों से माला बनाता है। कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाता है।

छात्राः .... वदिष्यामि।

अनुवाद—छात्र पुस्तकें लेकर आते हैं। बालक श्लोकों को पढ़ेंगे। छात्र पुस्तकें पढ़ेंगे। तुम दोनों श्लोक पढ़ोगे। छात्र राष्ट्रगीत गाते हैं। बालक पत्र पढ़ेंगे। मैं सत्य बोलूँगा।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

(ग) वानर: फलं खादति।
(घ) यूयं पुस्तकं पठथ।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– तत्र	**वहाँ**	वृष्टि:	**वर्षा**
वानर:	**बंदर**	सिञ्चति	**सींचता है**

कर्म कारकः (Objective Case)

उत्तर– (क) सैनिकौ चित्रं पश्यत:।
(ख) मृत्तिकापात्राणि कुम्भकार: निर्मापयति।
(ग) बालका: श्लोकान् पठिष्यन्ति।
(घ) छात्रा: पुस्तकानि नीत्वा आगच्छन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) बालकौ फलं **खादत:**।
(ख) **जनौ** ईश्वरं भजत:।
(ग) सैनिकौ **चित्रं** पश्यत:।

3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) दो आदमी ईश्वर को (को) भजन करते हैं।
(ख) तुम दोनों श्लोक पढ़ोगे।
(ग) मैं सत्य (सच) बोलूँगा।

पञ्चमः पाठः

हिन्दी अनुवाद

अत्र एकः .... पश्यामि।

अनुवाद—यहाँ एक सुंदर तालाब है। यहाँ पेड़ और लताएँ हैं। तालाब के जल से माली पेड़ों को सींचता है। जल से फूल खिलते हैं, सुगंधित और मनोहर होते हैं। रमेश अपने पिता के साथ तालाब को जाता है। सुधा भी घोड़े के रथ से वहाँ जाती है। मैं भी वहाँ अपने पिता के साथ जाता हूँ और तालाब को देखता हूँ।

मुनेशः .... भवामः।

अनुवाद—मुनेश पैदल वहाँ जाती है। हम सब भी वहाँ जाते हैं और गेंद से खेलते हैं। वे छात्र गेंद से व्यायाम करते हैं। हिरन अपने बच्चों के साथ घूमता है। राकेश कानों से बहरा है। घोड़ा पैरों से दौड़ता है। यहाँ बालक बच्चों के साथ खेलते हैं। तालाब के किनारे पक्षियों की चहचहाहट से मन खुश होता है। हम तालाब के जल से कपड़ों को धोकर और नहाकर घर को आते हैं और आनंदित होते हैं।

करण कारकः (Instrumental Case)

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) मालाकार: तडागजलेन वृक्षान् सिञ्चति।
(ख) जलेन पुष्पाणि विकसन्ति।
(ग) सुधा अश्वरथेन तत्र गच्छति।
(घ) छात्रा: तत्र कन्दुकेन व्यायामं कुर्वन्ति।
(ङ) राकेश: कर्णाभ्यां बधिर: अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) तडागजलेन **मालाकारः** वृक्षान् सिञ्चति।
(ख) **रमेशः** जनकेन सह तडागं गच्छति।
(ग) कन्दुकेन च सह **क्रीडामः**।
(घ) राकेश: कर्णाभ्यां **बधिरः** अस्ति।
(ङ) अत्र **बालकाः** बालकैः सह क्रीडन्ति।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) तडागजलेन मालाकार: वृक्षान् सिञ्चति।

(ख) रमेश: जनकेन सह तडागं गच्छति।
(ग) राकेश: कर्णाभ्यां बधिर: अस्ति।
(घ) जले पुष्पाणि विकसन्ति।

4. निम्न शब्दों के हिन्दी में अर्थ लिखिए–

उत्तर–

विकसन्ति	**खिलते हैं**
कर्णाभ्याम्	**दोनों कानों से**
सह	**साथ**
विचरन्ति	**घूमते हैं**
कन्दुकेन	**गेंद से**
प्रक्षाल्य	**धोकर**
बधिर:	**बहरा**
सिञ्चन्ति	**सींचते हैं**

5. निम्न शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए–

उत्तर–

शब्द:	**अर्थ:**	**शब्द:**	**अर्थ:**
तडाग:	**तालाब**	बधिर:	**बहरा**
सह	**साथ**	वृक्षान्	**पेड़ों को**
कन्दुकेन	**गेंद से**	सिञ्चति	**सींचता है**
प्रक्षाल्य	**धोकर**	कर्णाभ्याम्	**कानों से**

षष्ठः पाठः

सम्प्रदान कारकः (Dative Case)

हिन्दी अनुवाद

नृपः ....गच्छतः।

अनुवाद—राजा ब्राह्मण को (के लिए) दान देता है। बालक भोजन के लिए घर को आता है। नौकर कुत्ते को खाना देता है। दो हिरन जल पीने के लिए यहाँ आते हैं। दो लड़कियाँ पढ़ने के लिए विद्यालय को जाती हैं।

भृत्यः .... गच्छन्ति।

अनुवाद—नौकर दो लोगों को सब्जी और दाल देता है। लोग पैदल रसोइघर को जाते हैं। वहाँ नौकर गरीबों को सब्जी, रोटी और चीनी देते हैं। सेवक वृद्ध के लिए खाने की चीजें लाता है। सभी मनोरंजन के लिए बाजार जाते हैं। रमेश मोहन के लिए उत्तरपुस्तिका और पेन खरीदता है। लोग घूमने के लिए बद्रीनाथ जाते हैं। लोग वहाँ गर्मकुंड में नहाने के लिए जाते हैं।

ब्रदीनाथाय .... नमः।

अनुवाद—बद्रीनाथ को नमस्कार है। पिता को नमस्कार है। माँ अंबा को नमस्कार है। ईश्वर (भगवान) को नमस्कार है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) बालक: भोजनाय गृहम् आगच्छति।
(ख) भृत्या: निर्धनेभ्य: शाकं, कर्पटिकां शर्करां च यच्छन्ति।
(ग) जना: पर्यटनाय बद्रीनाथं गच्छन्ति।
(घ) जना: तप्तकुंडे स्नानाय गच्छन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) नृप: **ब्राह्मणाय** दानं यच्छति।
(ख) भृत्य: **श्वानाय** भोजनं यच्छति।
(ग) जना: पर्यटनाय **बद्रीनाथं** गच्छन्ति।
(घ) **जना:** पादाभ्यां महानसं गच्छन्ति।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) नृप: ब्राह्मणाय दानं यच्छति।
(ख) बालक: पठनाय विद्यालयं गच्छति।
(ग) जना: भ्रमणाय बद्रीनाथम् आगच्छन्ति।
(घ) जना: तत्र तप्तकुंडे स्नानाय गच्छन्ति।

4. निम्नलिखित शब्दों के वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) भृत्य—**भृत्य:** भिक्षुकाय भोजनं ददाति।
(ख) भोजनाय—बालका: **भोजनाय** पाकशालायां गच्छन्ति।
(ग) जनाय—सेवक: **जनाय** भोजनं वस्त्रं च यच्छति।
(घ) पर्यटनाय—**पर्यटनाय** वाराणसी नगरीं गच्छन्ति।

5. निम्नलिखित शब्दों के चतुर्थी विभक्ति में पुंल्लिङ्ग शब्द के रूप लिखिए–

उत्तर–

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम**
(क) राम:	रामाय	रामाभ्याम्	रामेभ्य:
(ख) मोहन:	मोहनाय	मोहनाभ्याम्	मोहनेभ्य:
(ग) दिनेश:	दिनेशाय	दिनेशाभ्याम्	दिनेशेभ्य:
(घ) ब्राह्मण:	ब्राह्मणाय	ब्राहमणाभ्याम्	ब्राह्मणेभ्य:

6. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) सेवक बूढ़े को खाने की चीजें देता है।
(ख) लोग घूमने के लिए बद्रीनाथ जाते हैं।

हिन्दी अनुवाद

वृक्षात् .... गच्छति।

अनुवाद—वृक्ष से पत्ते गिरते हैं। तालाब से पशु आते हैं। यह लड़का पाप से डरता है। छात्र विद्यालय से आते हैं। हम बाग से आते हैं। मैं अपने पिता के पास से आता हूँ। राम घर से विद्यालय को जाता है।

बालकाः .... आगच्छति।

अनुवाद—बच्चे खेल के मैदान में आते हैं। वह अपने पिता से पाठ पढ़ता है। शाम के समय छात्र अपने-अपने घरों से आते हैं। किसान गाँव से नगर को जाता है। भिक्षुक घर-घर से माँगता है। शाम के समय लड़के मंदिर से प्रसाद लाते हैं। मेरे घर से मंदिर समीप है। वह खेल के मैदान में घर को आता है। मेरे पिता शिमला नगर से आते हैं। मंदबुद्धि लड़का विद्यालय के बीच में से ही आता है।

अभ्यासः

1. **हिन्दी में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर– (क) वह अपने पिता से पाठ पढ़ता है।
(ख) हम सब बाग से आते हैं।
(ग) किसान गाँव से नगर को जाता है।
(घ) पेड़ से फूल गिरते हैं।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर– (क) वृक्षात् **पत्राणि** पतन्ति।
(ख) **अहं जनकस्य** समीपात् आगच्छामि।
(ग) राम: गृहात् **विद्यालयं** गच्छति।
(घ) वयम् **उद्यानात्** आगच्छाम:।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर– (क) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।
(ख) राम: गृहात् विद्यालयं गच्छति।
(ग) भिक्षुक: गृहात् गृहं याचते।
(घ) गृहात् समीपे देवालय: अस्ति।

अष्टमः पाठः

सम्बन्ध कारकः (Relative Case)

इदं .... भवन्ति।

अनुवाद—यह मेरे मित्र का बाग है। यहाँ अनेक पेड़ों की पंक्तियाँ हैं। बाग का वातावरण बहुत सुंदर है। इसके बीच में फूल खिलते हैं। माली पेड़ों को सींचता है। जल से फूल खिलते हैं, सुगंधित और मनोहर होते हैं। बाग की शोभा बहुत रमणीय और अवर्णनीय है। बरसात के मौसम के उत्सवों प्रसार भी इसी बाग में होता है। शहरों के स्त्री-पुरुष आकर बाग की शोभा को देखकर प्रसन्न होते हैं।

विद्यालयस्य .... करणीया।

अनुवाद—विद्यालय के छात्र भी यहाँ प्रतिवर्ष घूमने के लिए आते हैं। उनके साथ अध्यापक और अध्यापिकाएँ भी आती हैं। विद्यालय के आचार्य छात्रों को पेड़ के उपकार के विषय में बताते हैं। पेड़ लोगों का सदा उपकार करता है। हमेशा प्राकृतिक आपदाओं के प्रहार को सहकर भी हमारे लिए फलों के उपहार प्रस्तुत करते हैं। वृक्ष किसानों की खेती के उत्पादन में अपने पत्रों (पत्तों) को खाद के रूप में प्रयोग करके अन्न वृद्धि करते हैं। नीरोगिता के लिए पेड़ों का महत्व अधिक है। इसलिए हमें पेड़ों को अधिक से अधिक लगाकर प्रकृति के सौंदर्य में वृद्धि करनी चाहिए।

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर– (क) इदं मम मित्रस्य उद्यानम् अस्ति।
(ख) उद्यानस्य वातावरण: अति सुन्दर: अस्ति।
(ग) उद्यानानां मध्ये पुष्पाणि विकसन्ति।
(घ) वर्षाकालस्य उत्सव: अस्मिन् उद्याने एव भवति।
(ङ) अस्माभि: वृक्षाणां रोपणं कृत्वा प्रकृत्या: सौन्दर्ये वृद्धि: करणीया।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर– (क) उद्यानस्य शोभा अतिरम्या **अवर्णनीया च** अस्ति।
(ख) इदं मम **मित्रस्य उद्यानम्** अस्ति।
(ग) विद्यालयस्य आचार्य: छात्रान् **वृक्षस्योपकार विषये** वर्णयति।
(घ) वृक्ष: **जनानां** सर्वदा **उपकारं** करोति।

3. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर– (क) अत्र अनेकानां वृक्षाणां पंक्तय: सन्ति।

(ख) उद्यानस्य वातावरण: अति शोभन: अस्ति।
(ग) मालाकार: वृक्षान् सिञ्चति।
(घ) निरोगाय वृक्षाणां महत्वम् अधिकमस्ति।

4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तर– (क) यह मेरे मित्र का बाग है।
(ख) इसके बीच में फूल खिलते हैं।
(ग) बाग की शोभा बहुत रमणीय और अवर्णनीय है।
(घ) माली पेड़ों को सींचता है।
(ङ) नीरोगता के लिए वृक्षों का महत्व अधिक है।

नवमः पाठः

हिन्दी अनुवाद

रामपुरनगरे .... निवसन्ति।

अनुवाद—रामपुर नगर में एक सुंदर आश्रम है। आश्रम में अनेक पशु-पक्षी रहते हैं। आश्रम में अनेक झोंपड़ियाँ हैं। झोंपड़ियों में मुनि रहते हैं। वहाँ अनेक छात्र भी रहते हैं।

ते सर्वे .... इत्याशयः।

अनुवाद—वे सभी काव्यशास्त्रों और वेदों के अध्ययन में ही समय बिताते हैं। पशु-पक्षियों के साथ शेर भी रहते हैं। आश्रम में मस्त कोयल मधुर-मधुर कूकती है। आश्रम में फलों से भरे अनेक पड़े हैं। मुनि वेदपाठी और पशु-पक्षी फलों को खाकर प्रसन्न होते हैं। आश्रम में मुनि ईश्वर को भजते हैं। संध्या-तर्पण करके यज्ञ करते हैं। निरंतर धर्माचरण के कारण पृथ्वी हरी-भरी होती (रहती) है। बुढ़ापे में लोग शांति की प्राप्ति के लिए आश्रम में ही रहते हैं। वानप्रस्थी स्त्री-पुरुष आश्रम में रहते हैं। देवताओं को पूजा करते हैं। यह सनातन (प्राचीन) धर्म है। आश्रम को शांतिस्थल मानते हैं, यही इसका आशय है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) आश्रमे मुनय: ईश्वरं भजन्ति।
(ख) वानप्रस्थिन: आश्रमे देवार्चनं कुर्वन्ति।
(ग) फलानि भुक्त्वा आश्रमे मुनय: वेदपाठिन: पशु पक्षिणश्च मुदन्ति।
(घ) आश्रयं शान्तिस्थलं मन्यन्ते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) रामपुरनगरे एक: **सुन्दर:** आश्रम: अस्ति।
(ख) **उटजेषु** मुनय: निवसन्ति।
(ग) काव्यशास्त्राणां वेदानां च अध्ययने **एव कालं** यापयन्ति।
(घ) शान्तिस्थलम् **आश्रमं** मन्यन्ते इत्याशय:।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) आश्रमे अनेकानि उटजानि सन्ति।
(ख) आश्रमे अनेका: पशु-पक्षिण: निवसन्ति।
(ग) तत्र बहव: छात्रा: अपि निवसन्ति।
(घ) मुनिगणा: संध्यातर्पणं कृत्वा यज्ञं कुर्वन्ति।

4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) आश्रम में अनेक पशु-पक्षी रहते हैं।
(ख) पशु-पक्षियों के साथ शेर भी रहते हैं।
(ग) संध्या-तर्पण करके यज्ञ करते हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– (क) मत्तकोकिल: = **मस्त कोयल**
(ख) देवार्चनम् = **देवताओं की पूजा**
(ग) प्राप्त्यर्थम् = **प्राप्ति के लिए**
(घ) धर्माचारेण = **धर्म के आचरण से**
(ङ) उटजेषु = **झोंपड़ियों में**
(च) अनेका: = **बहुत सारे**

6. दिए गए शब्दों के सप्तमी विभक्ति (अधिकरण कारक) के रूप लिखिए–

उत्तर–

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क)	नगरे	नगरयो:	नगरेषु
(ख)	आश्रमे	आश्रमयो:	आश्रमेषु
(ग)	जने	जनयो:	जनेषु

दशमः पाठः

हिन्दी अनुवाद

आचार्य: (कक्षायां प्रविश्य) .... श्रीमन्!

अनुवाद–

आचार्य (कक्षा में प्रवेश करके)—क्या सभी छात्र उपस्थित हैं?

कक्षानायक—हाँ श्रीमान! सभी छात्र उपस्थित हैं।

आचार्य:—आज रमेश दिखाई नहीं देता, कहाँ गया?

कक्षानायक—अं ..... अं......अं...... भूल गया हूँ।

आचार्य—अं ...... अं...... अं...... ऐसे क्या करते हो?
(सभी छात्र हँसते हैं।)
आचार्य—सभी उपस्थिति बोलें। दिनेश!
दिनेश—उपस्थित हूँ श्रीमान!
आचार्य–भो बालकाः .... भवति।

अनुवाद–

आचार्य—हे बालको! आज हम ऋतुओं के विषय में पढ़ेंगे। भारतवर्ष में छ: ऋतुएँ होती हैं१ उनके नाम हैं—बसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद्, हमेन्त, शिशिर।
दिनेश—श्रीमान्! बसंत में क्या-क्या होता है?
आचार्य—बसंत ऋतु में पेड़ों पर नए पत्ते उत्पन्न होते हैं। फूल खिलते हैं। आमों पर भौंरे गुनगुनाते हैं। इस ऋतु में प्रकृति बहुत मनोहर होती है। सब जगह प्रसन्नता ही प्रसन्नता फैलती है। लोग बसंत को ऋतुराज, कुसुमाकर कहते हैं। सब जगह सुगंधित हवा बहती है।
दिनेश—आचार्य श्रेष्ठ! अब हम क्या पढ़ेंगे?
आचार्य—हे छात्रो! सदाचार के विषय में तुम क्या जानते हो? अच्छा मैं सदाचार के विषय में पढ़ाऊँगा। जो सदाचारी होता है वह हमेशा सुखी होता है। जो आचरणहीन है, वह दुख को प्राप्त करता है। इस कारण तुम सब श्रेष्ठ आचरण वाले बनी (रहो)। माता-पिता की भक्ति हमेशा लाभकारी होती है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) य: आचारविहीन: भवति, स: दु:खं लभते।
(ख) मातृ-पितृ भक्ति: सदा लाभकारी भविष्यति।
(ग) भारतवर्षे षड् ऋतव: भवन्ति।
(घ) रमेशस्य गृहे मुण्डनसंस्कारस्य उत्सव: भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) किं सर्वे **छात्रा:** उपस्थिता: सन्ति?
(ख) अं ...... अं...... अं..... **इति किं** करोषि?
(ग) भारतवर्षे **षड् ऋतव:** भवन्ति।
(घ) भो बालका:! **अद्य** वयं **ऋतूणां** विषये पठिष्याम:।

3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तर– (क) भातरवर्ष में छ: ऋतुएँ होती हैं।
(ख) बसंत ऋतु में पेड़ों पर नए पत्ते उत्पन्न होते हैं।
(ग) सब जगह सुगंधित हवा बहती है।
(घ) माता-पिता की भक्ति हमेशा लाभकारी होती है।

4. शब्दों को उनके अर्थों से मेल मिलाइए–

उत्तर–

शब्द	**अर्थ**
कक्षायाम्	**कक्षा में**
उपस्थिता: सन्ति	**उपस्थित हैं**
विस्मृतोऽस्मि	**भूल गया हूँ**
ब्रुवन्तु	**बोलें**
प्रविशति	**प्रवेश करता है**

एकादशः पाठः अस्माकं विद्यालयः (Our School)

हिन्दी अनुवाद

अयम् .... शोभनम् अस्ति।

अनुवाद—यह हमारा विद्यालय है। मेरा विद्यालय नगर के बीच में है। हम सब यहाँ पढ़ते हैं। इस विद्यालय में अनेक छात्र पढ़ते हैं। हमारा विद्यालय बहुत सुंदर है। मैं वहाँ पढ़ने के लिए जाता हूँ। हम शिक्षकों को प्रणाम करते हैं। हमारे विद्यालय में एक खेल का मैदान है।

वहाँ हम सभी खेलते हैं। कुछ लड़कें गेंद से खेलते हैं। कुछ क्रिकेट का खेल खेलते हैं। खेलने से स्वास्थ्य लाभ होता है। मेरा खेल का मैदान बहुत सुंदर है।

मम विद्यालये .... ज्ञानाय भवति।

अनुवाद—मेरे विद्यालय में एक पुस्तकालय भी है। इसके अध्यक्ष काशीनाथ चतुर्वेदी जी हैं। पुस्तकालय में बहुत-सी पुस्तकें हैं। हम प्रतिदिन पुस्तकालय जाते हैं। वहाँ मैं समाचार पत्र पढ़ता हूँ। पुस्तकालय का लाभ ज्ञान के लिए होता है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) विद्यालय: नगरस्य मध्ये अस्ति।
(ख) अस्माकं विद्यालय: अति शोभन:।
(ग) क्रीडनेन स्वास्थ्यलाभ: भवति।
(घ) पुस्तकालयस्य लाभ: ज्ञानाय भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) मम **विद्यालयः** नगरस्य मध्ये अस्ति।

(ख) केचन् बालकाः **कन्दुकेन** क्रीडन्ति।

(ग) मम विद्यालये एकः **पुस्तकालयः** अपि अस्ति।

(घ) तत्र अहं **समाचारपत्रं** पठामि।

(ङ) पुस्तकालयस्य लाभः **ज्ञानाय** भवति।

3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) हम शिक्षकों को प्रणाम करते हैं।

(ख) हमारे विद्यालय मे खेल का मैदान है।

(ग) खेलने से स्वास्थ्य लाभ होता है।

(घ) विद्यालय में एक पुस्तकालय है।

(ङ) पुस्तकालय का लाभ ज्ञान के लिए होता है।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) अयम् अस्माकं विद्यालयः अस्ति।

(ख) मम विद्यालयः नगरस्य मध्ये अस्ति।

(ग) अस्मिन् विद्यालये अनेकाः छात्राः पठन्ति।

5. निम्नलिखित शब्दों से संस्कृत में वाक्य रचना कीजिए–

उत्तर– (क) पठनाय—सः बालकः **पठनाय** विद्यालयं गच्छति।

(ख) क्रीडनम्—स्वास्थ्य लाभाय **क्रीडनमपि** आवश्यकम् अस्ति।

(ग) पुस्तकानि—पुस्तकालये बहूनि ज्ञानवर्धकानि **पुस्तकानि** भवन्ति।

(घ) समाचारपत्रम्—विभुः प्रतिदिनं **समाचारपत्रं** पठति।

(ङ) ज्ञानाय—अहं **ज्ञानाय** पुस्तकालये विविधानि पुस्तकानि पठामि।

द्वादशः पाठः कृषकाः (Farmers)

हिन्दी अनुवाद

अस्माकं .... निस्सारयन्ति।

अनुवाद—हमारे भारतवर्ष में अनेक किसान रहते हैं। बैलों को (हल में) जोड़कर वे खेत जोतते हैं और बहुत सादा अन्न उत्पन्न करते है। नहर के जल से खेत खींचते हैं। किसान सूर्य के उगने से पहले ही बिस्तर को छोड़ देते हैं। पशुओं के आहार की व्यवस्था करते हैं। गायों को दुहकर दूध घर में लाते हैं। खेत में जाकर नुकसानदायक पौधों को खेत से निकालते हैं।

अधिकांशाः .... करोति।

अनुवाद—अधिकांश भारतीय गाँवों में खेती का कार्य और पशुपालन करते हैं। किसान आधुनिक यंत्रों की सहायता से भी कृषि कार्य करते हैं। प्रशसन भी किसानों का सहयोग करता है। समयानुसार किसानों को खाद और नए बीज देता है। कृषि-व्यवस्था के लिए ऋण की व्यवस्था भी प्रशासन करता है। किसानों को सुविधा के लिए ग्राम प्रधान भी बहुत कार्य करता है।

ग्राम पंचायत .... अस्ति।

अनुवाद—ग्राम पंचायत समिति भी किसानों के लिए बहुत कार्य करती है और उनकी असुविधा अथवा परेशानी का निस्तारण करती है। किसान खेत में अन्न पैदा करके और उसे सहकारी समिति केंद्र में ले जाकर उचित मूल्य से बेचते है। भारतीय खाद्य निगम उस अन्न का संग्रह करता है। धन्य हैं किसान जो मेहनत से अन्न पैदा करते हैं। अन्न पैदा करके सभी लोगों के जीवन की रक्षा करते हैं। इसलिए इनका अत्यंत महत्व है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) कृषकाः सूर्योदयात् पूर्वम् एव शय्यात्यागं कुर्वन्ति।

(ख) कृषकाः आधुनिकैः यन्त्रैः साहाय्येन कृषिकार्यं कुर्वन्ति।

(ग) कृषकाः गोदोहनं कृत्वा दुग्धम् आनयन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) क्षेत्र **गत्वा** खरपतवारं क्षेत्रात् निस्सारयन्ति।

(ख) कुल्याः जलेन **क्षेत्रं** सिञ्चन्ति।

(ग) कृषि-व्यवस्थायै **ऋणव्यवस्था** अपि प्रशासनः करोति।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) अधिकांशाः भारतीयाः ग्रामेषु निवसन्ति कृषिकार्यं च कुर्वन्ति।

(ख) अस्माकं भारतवर्षे अनेकाः कृषकाः निवसन्ति।

(ग) कृषकाणां सुविधार्थं ग्रामप्रधानः बहूनि कार्याणि करोति।

हिन्दी अनुवाद

इयं मम .... निर्मीयन्ते।

अनुवाद—यह मेरी गाय है। गाय बड़ा उपकारी पशु है। इसका एक मुँह, एक नाक, दो आँखें, दो कान हैं। इसके चार पैर और चार ही थन हैं। यह चने, खल और हरी घास खाती है। यह मीठा दूध देती है। गाय का दूध पीकर बच्चे पुष्ट होते हैं। मैं भी गाय का दूध पीता हूँ, इसलिए शरीर से पुष्ट हूँ। गाय के दूध से अनेक मधुर मिठाइयाँ बनती हैं।

धेनोः .... कथन यन्ति च।

अनुवाद—गाय का गोबर भी पवित्र मानते हैं। गाँवों में स्त्रियाँ अपने-अपने घर को लीपती हैं। गाय के बछड़े बड़े होकर हल से खेत जोतते हैं।

सभी लोग गाय को माता के समान मानते हैं और इसको गोमाता कहते हैं।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) धेनुः चणकान्, खलिं हरित तृणानि च खादति।

(ख) गोमयं पवित्रं मन्यते।

(ग) धेनोः दुग्धं पीत्वा बालकाः पुष्टाः भवन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) धेनुः महान् उपकारी **पशुः** अस्ति।

(ख) धेनोः दुग्धं पीत्वा बालकाः **पुष्टाः** भवन्ति।

(ग) धेनोः **गोमयम्** अपि पवित्रं मन्यते।

(घ) सर्वे जनाः धेनुं **मातृवत्** मानयन्ति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) इयं मम धेनुः अस्ति।

(ख) धेनुः तृणं खादति।

(ग) धेनोः वत्साः हलेन क्षेत्रं कर्षन्ति।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए–

उत्तर– (क) मनुष्य गाय को माता के रूप में मानते हैं।

(ख) गाय हमें मीठा दूध देती है।

(ग) गाय चने, खल और हरी घास (चारा) खाती है।

(घ) गाय के बछड़े खेत जोतने के काम आते हैं।

हिन्दी अनुवाद

एकस्मिन् .... करोषि?

अनुवाद—एक वन में एक शमी का वृक्ष था। उस वृक्ष पर घोंसला बनाकर चिड़ा और चिड़िया रहते थे। वहीं पर ही पड़े के नीचे कोई बंदर भी रहता था। बंदर बड़ा मूर्ख था। एक बार सर्दी के मौसम में बहुत बारिश हुई। तब बंदर वर्षा के जल से गीला हो गया। ठंड से काँपते बंदर को देखकर चिड़िया बोली—''हे वानर! तुम तो पुरुष के समान हो, फिर कैसे घर का निर्माण नहीं करते हो?''

चटकायाः .... शान्तये।

अनुवाद—चिड़िया के उपदेश को सुनकर बंदर गुस्सा हो गया। उसने सोचा—'ओह! यह दुष्ट चिड़िया मेरी बुराई कर रही है। अच्छा, इसे देखता हूँ?' जब बारिश समाप्त हो गई तब बंदर ने पेड़ पर चढ़कर उसके घोंसले के टुकड़े करके जमीन पर फेंक दिया।''

कहा भी है जैसे—

''मूर्खों को उपदेश देना उनके गुस्से को बढ़ाने के लिए हैं शांति के लिए नहीं।''

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) शमीवृक्षः एकस्मिन् वने आसीत्।

(ख) वानरः वर्षाजलेन आर्द्रः अभवत्।

(ग) चटका वानरम् अवदत् यत् त्वं तु पुरुषः इव असि, तत् कथं गृहस्य निर्माणं न करोषि?

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) वानरः मूर्खः आसीत्।

(ख) वानरः वृक्षे वसति स्म।

(ग) एषा दुष्टा चटका मां निन्दति।

3. निम्नलिखित का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

''निश्चय ही मूर्खों को उपदेश देना उनकी शांति के लिए नहीं अपितु उनका क्रोध बढ़ाने के लिए है। अर्थात् मूर्खों को सही बातें भी गलत लगती हैं।''

पञ्चदशः पाठः

सुभाषितानि (Eloquent)

हिन्दी अनुवाद

चन्दनं .... सङ्गतिः॥

अनुवाद—इस लोक में चंदन शीतल (ठंडा) है, चंदन से भी शीतल चंद्रमा है। चंद्रमा और चंदन के बीच में अच्छी ठंडी (शांत) संगति है।

सर्पदुर्जनयोः .... पदे पदे॥

अनुवाद—साँप और दुर्जन के बीच में साँप श्रेष्ठ (ठीक) है, दुर्जन नहीं। क्योंकि साँप तो किसी समय के पड़ने पर ही डँसता है। किंतु दुर्जन तो कदम-कदम पर डँसता (हानि पहुँचाता है) है।

मातृवत् .... पण्डितः॥

अनुवाद—परस्त्रियों में माता के समान देखने वाला, दूसरों के धन आदि को मिट्टी के ढेले के समान देखने वाला, जो सभी प्राणियों में अपने जैसा देखता है, वह विद्वान है।

यथा .... सिध्यति॥

अनुवाद—जिस प्रकार एक पहिए से रथ की चाल नहीं होती है, वैसे ही बिना परिश्रम किए भाग्य भी सिद्ध नहीं होता है।

एक एव .... गच्छति॥

अनुवाद—मरने के बाद केवल धर्म ही मित्र के समान पीछे जाता है जबकि शरीर के नष्ट होने पर सब कुछ और कहीं चला जाता है। अर्थात् व्यक्ति के द्वारा जोड़ी हुई संपत्ति आदि का और लोग ही उपभोग करते हैं; उसके साथ कुछ नहीं जाता सिवाय धर्म के।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) चन्द्रचन्दनयो: मध्ये शीलता साधु सङ्गति: अस्ति।

(ख) दुर्जन: पदे पदे दशति।

(ग) रथस्य गति: एकेन चक्रेण न भवति।

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) दशति—दुर्जन: पदे पदे **दशति।**

(ख) पश्यति—य: परद्रव्यान् लोष्ठवत् **पश्यति** स: पण्डित: भवति।

(ग) याति—वायुयानं तीव्रगत्या **याति।**

(घ) सिध्यति—कार्यम् उद्यमेन एव **सिध्यति** मनोरथेन नैव।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) एक: एव सुहृद् **धर्म:**।

(ख) **विना दैवं** न सिध्यति।

(ग) **सर्प:** कालेन दशति।

(घ) मातृवत् परदारेषु **परद्रव्येषु लोष्ठवत्।**

(ङ) **आत्मवत् सर्वभूतेषु** य: पश्यति स: पण्डित:।

षोडशः पाठः

दिनचर्या (Routine Activity)

मम .... करोति।

अनुवाद—मेरे छोटे भाई का नाम प्रशांत है। वह सुबह जल्दी उठता है। उठकर नित्यकर्म करता है। उसके बाद स्नान करता है।

स्नात्वा .... पठति।

अनुवाद—नहाकर प्रशांत ईश्वर की वन्दना करता है। उसके बाद अल्पाहार (नाश्ता) करके पढ़ाई करता है। फिर कुछ समय के लिए पढ़ता है।

तदनन्तरं सः .... अस्ति।

अनुवाद—इसके बाद वह विद्यालय को जाता है। वहाँ वह ध्यान से पढ़ता है। घर आकर यह शाम को गेंद से खेलता है। रात में फिर पढ़ता है और गृह कार्य करता है। नौ बजे वह सो जाता है। यह प्रशांत की दिनचर्या है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) प्रशांत: प्रात: शीघ्रम् उत्तिष्ठति।

(ख) स: स्नात्वा ईशवन्दनां करोति।

(ग) प्रशांत: कन्दुकेन सायंकाले क्रीडति।

(घ) स: नववादने निद्रां गच्छति।

2. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) स: कन्दुकेन क्रीडति।

(ख) स: ध्यानेन पठति।

(ग) स: शीघ्रम् उत्तिष्ठति।

(घ) प्रशांत गृहकार्यं करोति।

3. **निम्नलिखित शब्दों से संस्कृत वाक्य बनाइए–**

उत्तर– (क) प्रातः—अहं प्रतिदिनं **प्रातः** भ्रमणाय गच्छामि।

(ख) दिनचर्या—मेधायाः **दिनचर्या** अति समीचीना अस्ति।

(ग) गृहम्—देवस्य **गृहं** देवालयस्य समीपे अस्ति।

4. **निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए–**

उत्तर–

मम	— **मेरा**	क्रीडति	— **खेलता है**
तत्र	— **वहाँ**	पुनः	— **फिर**
शीघ्रम्	— **जल्दी**	च	— **और**

सप्तदशः पाठः — स्वतन्त्रता दिवसः (Independence Day)

हिन्दी अनुवाद

बहुकालपर्यन्तं .... कथ्यते।

अनुवाद—बहुत समय तक भारत देश में अंग्रेजों का शासन था। हमारा देश भारत उनका गुलाम था। अगस्त महीने की पंद्रह तारीख में सन् 1947 में भारत आजाद हुआ। इस दिन को देश में उत्सव के रूप में मनाते हैं। यह दिन स्वतंत्रता दिवस कहलाता है।

अस्मिन् दिने .... दिवसः।

अनुवाद—इस दिन शिक्षक और छात्र सुबह के समय विद्यालय जाते हैं। विद्यालय के प्राचार्य तीन रंग के राष्ट्रध्वज को फहराते हैं। सभी राष्ट्रध्वज को प्रणाम करते हैं और राष्ट्रगान गाते हैं। जब राष्ट्रगान गाते हैं तब सभी सावधान रहते हैं। इस दिन विद्यालय में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। अंत में प्राचार्य संदेश पढ़ते हैं और छात्रों को उपदेश देते हैं। शिक्षक छात्रों को मिठाइयाँ बाँटते हैं। प्रसन्न छात्र घर को जाते हैं। यह हमारे गौरव का दिन है।

अभ्यासः

1. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर– (क) अस्माकं देशः भारतः **तेषां परतन्त्रः** आसीत्।

(ख) अगस्तमासस्य **पञ्चदश तारिकायां** 1947 तमे वर्षे भारतः स्वतन्त्रः अभवत्।

(ग) प्राचार्यः **त्रिवर्णं** राष्ट्रध्वजम् आरोहयति।

(घ) अयं अस्माकं **गौरवस्य** दिवसः।

2. **निम्नलिखित वाक्यों को हिन्दी में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर– (क) हमारा देश भारत परतंत्र (गुलाम) था।

(ख) सभी राष्ट्रध्वज को प्रणाम करते हैं।

(ग) प्रसन्न (खुश) छात्र घर जाते हैं।

3. **सही जोड़े बनाइए–**

उत्तर–

15 अगस्त, 1947	**स्वतन्त्रता दिवसः**
20 जनवरी, 1950	**गणतन्त्र दिवसः**
14 नवंबर, 1889	**बाल दिवसः**
2 अक्टूबर, 1869	**गांधी जयंती**

4. **स्वतन्त्रता संग्राम में भाग लेने वाले चार नेताओं के नाम लिखिए–**

उत्तर– (क) महात्मा गांधी

(ख) पं० जवाहरलाल नेहरू

(ग) सुभाषचंद्र बोस

(घ) गोपाल कृष्ण गोखले

अष्टादशः पाठः — दीपावली (Deepawali)

हिन्दी अनुवाद

भारतस्य .... उत्सवः।

हिन्दी अनुवाद—भारत के उत्सवों में दीपावली का उत्सव प्रमुख है। यह उत्सव कार्तिक महीने कीं अमावस्या में होता है। इस उत्सव के विषय में एक कथा प्रचलित है कि श्रीराम इस दिन ही रावण को मारकर अयोध्या को आए। राम के साथ सीता और लक्ष्मण भी आए। प्रसन्न अयोध्यावासियों ने उनके स्वागत के लिए घरों को दीपकों से प्रकाशित किया। तब से लेकर यह उत्सव प्रचलित है। हम लोगों के हृदयों में बड़ा उत्साह होता है। लोग अपने घरों में चूने की पुताई करते हैं। शाम के समय लोग नए कपड़े पहनकर दीपकों से घरों को सजाते हैं और लक्ष्मीदेवी को पूजते हैं। सभी अपने मित्रों को मिठाइयाँ भेजते हैं। अहा! कितना सुंदर है यह प्रकाश का उत्सव।

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–**

उत्तर– (क) भारतस्य उत्सवेषु दीपावल्याः उत्सवः प्रमुखः अस्ति।

(ख) दीपावल्याः उत्सवः कार्तिकमासस्य अमावस्यायां भवति।

(ग) अस्मिन् दिनने जनाः लक्ष्मीदेवीं पूजयन्ति।

(घ) अस्य उत्सवस्य विषये एषा कथा प्रचलित अस्ति? यत् श्रीराम: अस्मिन् एव दिने रावणं हत्वा अयोध्यां प्रति आगच्छत्। तत: प्रभृति: अयम् उत्सव: प्रचलित:।

2. दिए गए शब्दों से खाली स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) अस्मिन् दिने जना: नवीनानि **वस्त्राणि** धारयन्ति।

(ख) उत्सवेषु अयं प्रमुख: **उत्सव:** अस्ति।

(ग) अस्मिन् दिने दीपै: गृहाणि **भूषयन्ति।**

(घ) रमणीय: अयं **प्रकाशस्य** उत्सव:।

3. निम्नलिखित शब्दों का स्वरचित संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) सह—श्रीराम: सीतया लक्ष्मणेन च **सह** वनम् अगच्छत्।

(ख) महान्—अस्मिन् दिने जनानां हृदयेषु **महान्** उत्साह: भवति।

(ग) गृहाणि—दीपावल्या: उत्सवात् पूर्वं सर्वे जना: **गृहाणि** स्वच्छानि कुर्वन्ति।

(घ) प्रकाशस्य—**प्रकाशस्य** अयम् उत्सव: अतीव रमणीय: अस्ति।

(ङ) प्रभृति:—यदा श्रीराम: अयोध्यां प्रति आगत: तत: **प्रभृति:** इमम् उत्सवं मानयन्ति।

एकोनविंशतिः पाठः आदर्शनगरम् (Ideal City)

हिन्दी अनुवाद

अद्य .... विक्रयन्ति।

अनुवाद—आज मैं आदर्श नगर देखूँगा। यह नगर हमारे गाँव से अधिक दूर नहीं हैं। गाँव के लोग शहर से आवश्यकता की वस्तुएँ खरीदते हैं। इस शहर में एक विशाल चीनी मिल है। गाँव के लोग अपने गन्नों को वहाँ बेचते हैं।

विक्रय मूल्येन .... च करिष्यन्ति।

अनुवाद—बेचे हुए पैसों से दुकान से उपयोगी वस्तुएँ खरीदते हैं। अन्न का उत्पादन करके मंडी को जाएँगे। आज हम भी मंडी जाएँगे। मेरे खेत में बहुत अन्न उत्पन्न होता है। इसी कारण उसे बेचूँगा। यह सुंदर शहर सभी लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। मैं भी शहर विद्या के अध्ययन के लिए जाऊँगा। क्योंकि हमारे गाँव में पढ़ने के लिए उच्च विद्यालय नहीं है। शहर में अनेक उच्च विद्यालय हैं। छात्र अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार विद्यालय में प्रवेश करेंगे। उच्च सेवा-पद को ग्रहण करेंगे और जीवन सफल करेंगे।

अस्माकं .... भवन्ति।

अनुवाद—हमारे नगर (शहर) के दोनों और दो नदियाँ हैं। इस नगर में एक प्रदर्शनी स्थान है। वहाँ प्रतिवर्ष प्रदर्शनी का आयोजन होता है। इस स्थल पर गाँव के लोग आते हैं। इधर-उधर घूमते हुए रात्रि में प्रदर्शनी देखते हैं। पंडाल में अनेक प्रतियोगिताएँ होती हैं। गायन विद्या, चित्रकला, काव्यगोष्ठी और नाटकादि होते हैं।

खेल प्रतियोगिता इस नगर का मुख्य उद्देश्य है। यह नगर किसका मन नहीं हरता है? इसलिए यह नगर सभी लोगों को आनंद देता है।

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) ग्रामीणा: जना: नगरात् आवश्यकवस्तूनि क्रीणन्ति।

(ख) अन्नम् उत्पादयित्वा मण्डीस्थलं गमिष्यन्ति।

(ग) शोभनं नगरं सर्वेषां जनानां आवश्यकताया: पूर्ति: करोति।

(घ) अस्माकं नगरम् उभयत: द्वे नद्यौ स्त:।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) ग्रामीणा: जना: नगरात् **आवश्यकवस्तूनि** क्रीणन्ति।

(ख) अस्मिन् **नगरे** एक: विशाल: **शर्करा उद्योग:** अस्ति।

(ग) अन्नम् उत्पादयित्वा **मण्डीस्थलं गमिष्यन्ति**।

(घ) मम क्षेत्रे **विपुलम्** अन्नम् भवति।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तर– (क) ग्रामीणा: जना: नगरात् आवश्यकवस्तूनि क्रीणन्ति।

(ख) अहं नगरे विद्याध्ययनाय गमिष्यामि।

(ग) क्रीडा-प्रतियोगिता नगरस्य मुख्य: उद्देश्य: अस्ति।

बुद्धिमान् मित्रम् (Wise Friends)

हिन्दी अनुवाद

एकस्मिन् .... अबध्नत्।

अनुवाद—एक वन में एक हिरण रहता था। उसका मित्र एक कौआ भी उसके साथ रहता था। एक बार एक गीदड़ ने हिरन को देखा। गीदड़ ने हिरण का माँस खाने की इच्छा की। गीदड़ ने उसके साथ मित्रता कर ली। एक बार वह हिरन को हरे-भरे खेत में ले गया। हिरण रोज धान खाता था। इस कारण खेत के मालिक ने वहाँ जाल लगाया दिया। हिरन जाल में बँध (फँस) गया।

सायं .... मृतः।

अनुवाद—शाम को कौए ने हिरण की खोज की। कुछ समय बाद उसने जाल में गिरे (फँसे) हिरण को देखा। कौआ बोला—''मित्र! तुम मरे हुए से रहो। खेत का मालिक आ रहा है। जब मैं शब्द (आवाज) करूँगा तब उठकर तेजी से दौड़ना।'' हिरन को मरा देखकर खेत का मालिक प्रसन्न हो गया। उसने जाल हटाना शुरू किया। कौए ने आवाज की हिरन उठकर भाग गया। खेत के मालिक ने अपनी लाठी उसके ऊपर फेंकी। किंतु लाठी से गीदड़ मर गया।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) हरिणस्य मित्रं काकः आसीत्।
(ख) श्रृगालः हरिणास्य मांसं खादितुम् ऐच्छत्।
(ग) हरिणः पाशे अपतत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) हरिणः प्रतिदिनं **धान्यं** खादति स्म।
(ख) सः पाशम् **अपसारयितुम्** आरभत्।
(ग) लगुडेन **श्रृगालः** मृतः।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) एकेन श्रृगालेन हरिणं दृष्टम्।
(ख) कृषकः जाशम् अप्रसारयत्।
(ग) पाशे बद्धं हरिणं दृष्टम्।

स्वास्थ्यस्य रक्षा (Care of Health)

हिन्दी अनुवाद

प्राचार्यः .... व्यायामं कुर्युः।

अनुवाद—प्राचार्य—सभी जगह लोग सुख चाहते हैं। शरीर से स्वस्थ लोग ही सुख प्राप्त करने में सफल होते हैं। स्वस्थ लोग ही पढ़ने और खेलने के लिए समर्थ होते हैं। स्वस्थ लोग ही धन अर्जित करते हैं। वे ही देश को उन्नत करते हैं।

एक छात्र—स्वास्थ्य की रक्षा के लिए हमें क्या करना चाहिए?

प्राचार्य—मोहन! बैठो। उपायों को भी बताऊँगा। जैसे—व्यक्ति हमेशा सूर्योदय से पहले उठे। शरीर की शुद्धि करके व्यायाम करे। व्यायाम से शरीर की शक्ति वृद्धि को प्राप्त करती है। उसके बाद दातुन या ब्रश करके स्नान करे। उसके बाद साफ कपड़े पहने।

विमलः—क्या बूढ़े भी व्यायाम करें?

प्राचार्यः .... विन्दति।

अनुवाद—प्राचार्य—हाँ, वे भी यथाशक्ति व्यायाम करें। लोग ईश्वर को भी पूजें। उससे हृदय शुद्ध होता है। शुद्ध हृदय भी स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

और भी—
लोग स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ ही खाएँ। बार-बार न खाएँ।
हे छात्रो! तुम सब भी समय से पढ़ो और समय से ही खेलो। समय से ही शयन करो और समय से ही उठो। समय से ही काम करके व्यक्ति स्वास्थ्य को प्राप्त करता है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) जनाः सुखं वाञ्छति।
(ख) ये स्वस्थाः भवन्ति ते एव देशम् उन्नयन्ति।
(ग) स्वस्थाः जनाः धनम् अर्जयन्ति।
(घ) आम्, वृद्धाः अपि यथाशक्तिः व्यायामं कुर्युः।
(ङ) नहि, जनाः मुहुर्मुहुः न खादेयुः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) स्वस्थाः जनाः **धनम्** अर्जयन्ति।
(ख) ततः स्नात्वा **निर्मलानि वस्त्राणि** धारयेत्।
(ग) सदा सूर्योदयात् **प्राक्** उत्तिष्ठेत्।
(घ) ईश-वन्दनया हृदयं **शुद्धं** भवति।
(ङ) मुहुर्मुहुःन **खादेयुः**।

3. **निम्नलिखित शब्दों का हिन्दी में अर्थ लिखिए–**

उत्तर– (क) अर्जयन्ति **कमाते हैं**

(ख) तथाहि **वैसे ही**

(ग) धावनम् **दौड़ना**

(घ) प्राक् **पहले**

(ङ) मुहुर्मुहुः **बार-बार**

(च) शयनम् **सोना**

4. **हिन्दी में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर– (क) उसके बाद स्वच्छ कपड़े पहने।

(ख) समय से ही सोए।

(ग) समय से ही काम करके व्यक्ति स्वास्थ्य को प्राप्त करता है।

5. **दिए गए शब्दों को मिलाकर वाक्य बनाइए–**

उत्तर– (क) सर्वत्र जना: सुखं वाञ्छन्ति।

(ख) ते एव देशम् उन्नयन्ति।

(ग) किं वृद्धा: अपि व्यायामं कुर्यु:?

(घ) समये एव शयनं कुर्यात्।

द्वाविंशतिः पाठः लाल बहादुर शास्त्री (Lal Bahadur Shastri)

हिन्दी अनुवाद

श्री लाल बहादुर शास्त्रिः .... अभवत्।

अनुवाद—श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का नाम कौन नहीं जानता है? इन महाभाग का जन्म उत्तर प्रदेश राज्य में 'मुगलसराय' नामक शहर में 1904 ई० में अक्टूबर महीने की दो तारीख में एक कायस्थ कुल में हुआ।

अस्य पिता .... गृहे अभवत्।

अनुवाद—इनके पिता श्री हजारीलाल एक अध्यापक थे। वे एक प्राथमिक पाठशाला में अध्यापक थे। इनकी माता, श्रीमती राजदुलारी देवी एक साध्वी महिला थीं। जब ये बच्चे थे तब इनके पिता मृत्यु को प्राप्त हो गए। इसलिए इनका पालन-पोषण इनके नाना के घर में हुआ।

लाल बहादुर शास्त्रिः .... विराजते।

अनुवाद—लाल बहादुर शास्त्री जी बचपन से ही प्रतिभासंपन्न थे। इनका जीवन बहुत सरल था। पढ़ाई के समय में ही ये देश के स्वतंत्रता-संग्राम में उतर गए, बहुत बार जेल की यात्रा भी की। इन्होंने राजनीति के क्षेत्र में विविध पदों को अलंकृत करके अंत में भारत राष्ट्र के प्रधानमंत्री पद को अंलकृत किया। भारत-पाक के युद्ध में पाकिस्तान के युद्ध के घमंड (नशे) को चूर-चूर करके भारत के गौरव की रक्षा की। तब ये जन साधारण के सामने प्रसिद्ध हुए। वे शांति की स्थापना के लिए ही ताशकंद नामक नगर गए और वहीं पर ही अपने प्राणों को छोड़ा। उनके निधन का समाचार सुनकर भारतीय शोकसंतप्त हो (दुख में डूबना) गए। उनका पार्थिव शरीर हमारे बीच में नहीं है फिर भी वे यशरूपी शरीर से हमारे हृदयों में विराजमान हैं।

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर– (क) श्री हजारीलाल: एक: अध्यापक: आसीत्।

(ख) लाल बहादुर शास्त्रिण: पालनं-पोषणम् अस्य मातामहस्य गृहे अभवत्।

(ग) श्री लाल बहादुर शास्त्रिण: जन्म उत्तर प्रदेश राज्ये 'मुगलसराय' इति नामके नगरे अभवत्।

(घ) श्री लाल बहादुर शास्त्रि: महाभाग: देशस्य स्वातन्त्र्यसंग्रामे अध्ययनकाले एव अवतीर्ण:।

(ङ) श्री लाल बहादुर शास्त्रि शान्ति स्थापनार्थं 'ताशकन्द' नामकं नगरम् अगच्छत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर– (क) श्री लाल बहादुर शास्त्रि: अध्ययनकाले देशस्य **स्वतन्त्रतासंग्रामे अवतीर्ण**:।

(ख) श्री लाल बहादुर शास्त्रि: **राजनीतिक्षेत्रे** विविधपदान् अलंकृतवान्।

(ग) श्री लालबहादुर शास्त्रि: महाभागस्य **नाम को न** जानाति?

(घ) तत्रैव च स्व **प्राणान्** अत्यजत्।

(ङ) श्री लालबहादुर शास्त्रि: यशरूपीशरीरेण **अस्माकं हृदयेषु** विराजते।

3. **हिन्दी में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर– (क) उसके निधन का समाचार सुनकर भारतीय शोकसागर में डूब गए।

(ख) इनकी माता श्रीमती राजदुलारी देवी एक साध्वी महिला थीं।

(ग) भारत-पाकिस्तान के युद्ध में पाकिस्तान के युद्ध के घमंड का मर्दन करके भारत के गौरव की रक्षा की।

(घ) लाल बहादुर शास्त्री बचपन से ही प्रतिभासंपन्न निर्भीक थे।

4. **निम्न शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए–**

उत्तर–

शब्दः	**अर्थः**
जानाति	**जानता है**
अध्ययनकाले	**पढ़ने के समय में**
अलंकृत्य	**सुशोभित करके**
बाल्यादेव	**बचपन से ही**

5. **निम्न वाक्यों के सामने सत्य या असत्य लिखिए–**

उत्तर– (क) अस्य पिता एकः अध्यापकः आसीत्। **सत्य**

(ख) सः भारतराष्ट्रस्य राष्ट्रपतिः अभवत्। **असत्य**

(ग) श्री लाल बहादुर शास्त्रिः महाभागस्य जन्म मध्यप्रदेश राज्ये अभवत्। **असत्य**

(घ) अस्य पालनं-पोषणम् अस्य मातामहगृहे अभवत्। **सत्य**

(ङ) श्री लाल बहादुर शास्त्रिः शान्तिस्थापनार्थमेव ताशकन्दम् अगच्छत्। **सत्य**

त्रयोविंशतिः पाठः गुरुभक्तः आरुणिः (Obedient Aruni)

हिन्दी अनुवाद

पुरा धौम्यः .... अकरोत्।

अनुवाद—प्राचीन समय में धौम्य नाम के एक महर्षि थे। वे अपने आश्रम में अनेक शिष्यों को पढ़ाते थे। उनके शिष्यों में एक आरुणि नाम का शिष्य भी था। एक बार बरसात के मौसम में महर्षि ने खेत की रक्षा करने के लिए कहा। गुरु की आज्ञा से वह खेत को गया। वहाँ अधिक बारिश के वेग से खेत की मेड़ टूट गई। आरुणि ने जल को रोकने के लिए बहुत प्रयत्न किया।

तस्य सर्वे .... भविष्यति।

अनुवाद—उसके सभी प्रयत्न बेकार हो गए। आखिर में उसने खुद जल में गिरकर (लेटकर) पानी के वेग को रोक दिया।

अगले दिन महर्षि अपने अन्य शिष्यों के साथ वहाँ आए। खेत में आरुणि को देखकर महर्षि चकित हो गए। उन्होंने आरुणि को बोला—''निश्चय तुम विद्वान होओगे।''

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–**

उत्तर– (क) धौम्यस्य शिष्यः आरुणिः आसीत्।

(ख) धौम्यस्य आरुणिम् अकथयत् यत् साम्प्रतं वर्षा भवति अतः क्षेत्रस्य रक्षां कुरु।

(ग) सः स्वयं जले निपत्य जलस्य वेगम् अवरोधयत्।

(घ) क्षेत्रे आरुणिं दृष्ट्वा महर्षिः अवदत् यत् नूनं त्वं विद्वान् भविष्यसि।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर– (क) पुरा **धौम्यः** नाम्नः एकः महर्षिः आसीत्।

(ख) अति वर्षावेगेन क्षेत्रस्य **बन्धः** नष्टः अभवत्।

(ग) अपरेद्यु महर्षिः स्व अन्यैः शिष्यैः सह तत्र **आगच्छत्।**

(घ) नूनं त्वं **विद्वान्** भविष्यसि।

3. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर– (क) महर्षेः नाम धौम्यः आसीत्।

(ख) आरुणिः महर्षेः क्षेत्रस्य रक्षा कर्तुम् अगच्छत्।

(ग) आरुणिः जलवेगं स्वयं निपत्य अवरोधयत्।

(घ) क्षेत्रे आरुणिं दृष्ट्वा महर्षिः आश्चर्यचकितः अभवत्।

चतुर्विंशतिः पाठः विज्ञानस्य चमत्कारः (Wonder of Science)

हिन्दी अनुवाद

अयं विज्ञानस्य .... शक्नुवन्ति।

अनुवाद—यह विज्ञान का युग है। जहाँ भी दृष्टि जाती है वहीं विज्ञान के चमत्कार को देखते हैं। दूर नगरों अथवा देशों में रहने वाले लोग फोन से आपस में बातचीत करते हैं। शीतकयंत्र (फ्रिज) में जो भी वस्तुएँ होती हैं वे सभी ठंडी होती हैं। यह दूरदर्शन (टी० वी०) है। घर में रहकर ही लोग प्रदेशों और विदेशों के समाचार प्राप्त करते हैं। इसमें न केवल लोग समाचार और गीत सुनते हैं अपितु कहने वाले के चित्र और प्रदेशों-विदेशों के दृश्य भी देखते हैं। वे रामायण, महाभारत आदि नाटक भी देख सकते हैं।

एतत् अस्ति .... पश्यामः।

अनुवाद—यह वायुयान (हवाई जहाज) है। इसमें रहकर (बैठकर) व्यक्ति पक्षी के समान आकाश में उड़ता है और थोड़े समय में ही अपने गंतव्य (लक्ष्य स्थान) को प्राप्त करता (पहुँचता है) है।

यह रॉकेट है। इसकी गति वायुयान से भी तेज है। इसमें बैठकर व्यक्ति चाँद और अन्य उपग्रहों को भी जा सकता है। चिकित्सा के क्षेत्र में हम विज्ञान के चमत्कारों को सब जगह देखते हैं।

अभ्यासः

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) अयं **विज्ञानस्य** युग: अस्ति।

(ख) दूरस्थेषु नगरेषु देशेषु वा स्थिता: जना: **दूरभाषेण** परस्परं वार्तालापं कुर्वन्ति।

(ग) वायुयाने स्थित्वा जन: खग: इव **आकाशे** उड्डयते।

(घ) चिकित्सायाः क्षेत्रे अपि वयं **विज्ञानस्य** चमत्कारान् सर्वत्र पश्याम:।

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ हिन्दी में लिखिए–

उत्तर– (क) द्रुततरा **ज्यादा तेज**

(ख) सर्वत्र **सब जगह**

(ग) वार्तालाप: **बातचीत**

(घ) गन्तव्यम् **लक्ष्य स्थान**

3. संस्कृत में नाम लिखिए–

उत्तर– (क) टेलिविजन **दूरदर्शनम्**

(ख) टेलिफोन **दूरभाषाम्**

(ग) हवाई जहाज **वायुयानम्**

(घ) रेफ्रिजरेटर **शीतकयन्त्रम्**

(ङ) रॉकेट **रॉकेट यन्त्रम्**

(च) काल: **समय**

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) अयं विज्ञानस्य युग: अस्ति।

(ख) एतद् शीतकयन्त्रम् अस्ति।

(ग) एतद् दूरभाषम् अस्ति।

(घ) एतद् दूरदर्शनम् अस्ति।

(ङ) एतद् वायुयानम् अस्ति।

5. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के आगे (✗) का चिह्न लगाइए—

उत्तर– (क) दूरदर्शने कथकस्य चित्राणि अपि पश्यन्ति। (✓)

(ख) दूरभाषेण जन: आकाशे उड्डयते। (✗)

(ग) अस्य गति: वायुयानात् अति द्रुततरा अस्ति। (✓)

(घ) अयं विज्ञानस्य युग: अस्ति। (✓)

6. निम्न यंत्रों का संस्कृत में एक-एक उपयोग लिखिए–

उत्तर– (क) शीतक यन्त्रम्—**शीतक यन्त्रं** खाद्य वस्तूनि शीतलानि कृत्वा कीटेभ्य: संरक्षति।

(ख) दूरदर्शनम्—वर्तमान समये **दूरदर्शनम्** एकं सुलभं मनोरञ्जक साधनमस्ति।

(ग) दूरभाषम्—अद्यत्वे **दूरभाषं** मनुष्यस्य आवश्यकतासु एकं महत्वपूर्णं साधनमस्ति येन जन: दूरस्थेन जनेन वार्तालापं करोति।

(घ) रॉकेट-यन्त्रम्—**रॉकेट-यन्त्रं** वैज्ञानिकान् चन्द्रम् अथवा अन्यान् उपग्रहान् नीत्वा गच्छति।

पञ्चविंशतिः पाठः

नोट—(छात्र स्वयं करें।)

शब्दरूपाणि (Word Forms)